

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, द थियोलॉजी ऑफ़ ल्यूक-एक्ट्स, सत्र 20, ल्यूक-एक्ट्स में मुक्ति के आयाम

यह ल्यूक-एक्ट्स के धर्मशास्त्र पर अपने शिक्षण में डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन हैं। यह सत्र संख्या 20 है, डेरेल बॉक, ल्यूक-एक्ट्स में मुक्ति के आयाम।

जैसे ही हम ल्यूक-एक्ट धर्मशास्त्र पर अपने पाठ्यक्रम के अंत में आते हैं, हम ल्यूक-एक्ट्स में संश्लेषित मोक्ष से संबंधित कुछ सारांश निष्कर्षों को देखना चाहते हैं।

हमें प्रार्थना करनी चाहिए। पिता, ल्यूक को चर्च को देने के लिए धन्यवाद। सुसमाचार और अधिनियमों की पुस्तक के उनके उपहारों के लिए धन्यवाद। हमें इन अच्छी पुस्तकों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें और हमारे साथ बिताए समय के परिणामस्वरूप उन्हें अधिक लाभ होगा। अब हम प्रार्थना करते हैं, हमारे पिता, हमारे प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से, जिनके नाम पर हम प्रार्थना करते हैं, हमें आशीर्वाद दें, आमीन।

डेरेल बॉक, अपने अच्छे ए थियोलॉजी ऑफ़ ल्यूक-एक्ट्स में, अध्याय 11 में, हमें ल्यूक-एक्ट्स में मुक्ति के कई आयाम, एक संश्लेषण देता है।

वे लिखते हैं, ल्यूक और मोक्ष को अधिक संश्लिष्ट तरीके से देखने पर हम कई दिशाओं में जाते हैं। इसलिए अब हम चीजों को एक साथ रख रहे हैं, उन्हें एक साथ खींच रहे हैं, खासकर ल्यूक के मोक्ष के सिद्धांत, उनके उद्धारशास्त्र के रुझानों को देख रहे हैं, खासकर जब वे जुड़ते हैं और आपस में जुड़े होते हैं। उद्धारशास्त्र ल्यूक के लेखन में एक विशाल क्षेत्र है और इसे संश्लेषण अवलोकन के रूप में देखने से कुछ वास्तविक लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

शुभ समाचार का प्रचार करना बुनियादी है और लूका-प्रेरितों के काम को समझने की कुंजी है। उद्धार के दायरे में अमीर, गरीब, उच्च, निम्न, पुरुष और महिला, यहूदी और गैर-यहूदी शामिल हैं। संदेश का प्रमाणीकरण जटिल है। बॉक यहाँ एक वास्तविक योगदान देता है, और हम उसके तीन तर्कों को उसी तर्ज पर देखेंगे।

चौथा, उद्धार का वस्तुनिष्ठ पहलू यह है कि परमेश्वर ने मसीह में क्या किया है। पाँचवाँ, व्यक्तिपरक पक्ष हमारा पश्चाताप और विश्वास है जो पवित्र आत्मा द्वारा भी सक्षम है।

और अंत में, परमेश्वर के लोगों के लिए मोक्ष के लाभ। अच्छी खबर की घोषणा. अधिनियमों में, सुसमाचार शब्द केवल दो बार आता है।

पतरस नोट करता है कि सुसमाचार का संदेश उसके माध्यम से अन्यजातियों तक गया, प्रेरितों के काम 15:7। अच्छी खबर उस अनुग्रह के बारे में है जो यीशु मसीह में विश्वास के माध्यम से आता है। 15, अध्याय 15, श्लोक 9 से 11। अधिनियम 10:13, 34 से 43 अन्यजातियों को प्रचारित सुसमाचार संदेश का एक अच्छा उदाहरण है।

क्रिया का उपयोग अच्छी खबर की घोषणा करता है, यूएंगेलिज़ो, नए नियम में अन्य जगहों की तुलना में ल्यूक-एक्ट्स में अधिक बार होता है। ल्यूक में इनमें से कई उपयोग यीशु के मंत्रालय का सारांश देने वाले पाठ में आते हैं। अधिनियमों में, अच्छी खबर की सामग्री अधिक विशिष्ट है।

प्रेरित इस संदेश का प्रचार करते हैं कि यीशु ही मसीह हैं और वास्तव में, वह प्रेरितिक उपदेश का केंद्र बिंदु हैं। अधिनियमों में सबसे आम अभिव्यक्ति केवल सुसमाचार का प्रचार करना है। इनमें से अधिकांश उपयोगों में सारांश घोषणाएँ शामिल हैं।

अधिनियम 10.36 इस विषय पर एक प्रतिनिधि पाठ है, जहां पीटर सुसमाचार और इसकी यहूदी जड़ों की समीक्षा करता है। जहाँ तक उस वचन की बात है जो उसने इस्राएल को भेजा था, परमेश्वर ने यीशु मसीह के माध्यम से शांति की खुशखबरी का प्रचार करते हुए किया, वह सभी का प्रभु है। यहां गॉस्पेल शब्द का तात्पर्य यीशु और सुसमाचार के बारे में प्रेरितिक प्रचारित संदेश से है, जो कि शब्द "शब्द" है, क्षमा करें, शब्द "शब्द" है।

सुसमाचार संदेश में शांति का अवसर, एक व्यक्ति और ईश्वर के बीच एक खुशहाल रिश्ता शामिल है, जो अब लोगों के बीच शांति में भी खुद को अभिव्यक्त करता हुआ प्रतीत होता है। यह शालोम की पुराने नियम की अवधारणा है जिसे नए नियम में एरेइन के रूप में लाया गया है। जो बात यीशु को महत्वपूर्ण बनाती है वह यह है कि ईश्वर उसके माध्यम से क्या कर रहा है।

यीशु ने जो किया उसके ज़रिए परमेश्वर ने शांति लाई है और इस यीशु को सभी का प्रभु बताया गया है, प्रेरितों के काम 2.36। महान यीशु सभी लोगों का प्रभु है, इसलिए सुसमाचार सभी लोगों तक पहुँच सकता है, जिसमें कुरनेलियुस जैसे अन्यजाति भी शामिल हैं। जैसा कि प्रेरितों के काम में हमेशा होता है, परमेश्वर पहल करता है, संदेश परमेश्वर से आता है। बरनबास और पौलुस की सेवकाई में उद्धार फिर से एक विषय के रूप में सामने आता है।

प्रेरितों के काम 14:15 में वे मूर्तिपूजा का विरोध करते हैं और बताते हैं कि वास्तव में मुक्ति क्या लाती है। वे भीड़ को सलाह देते हैं कि उन्हें व्यर्थ मूर्तियों से जीवित निर्माता भगवान की ओर मुड़ना चाहिए। यह यशायाह अध्याय 40 और 41 की तरह क्लासिक भविष्यसूचक यहूदी प्राकृतिक धर्मशास्त्र है।

यह अधिनियम 14 में विशुद्ध रूप से बुतपरस्त अन्यजातियों के लिए अधिनियमों में पहला भाषण भी है। यह सृष्टिकर्ता के रूप में ईश्वर है जो अपने प्राणियों को अपने प्रति जवाबदेह बनाता है। इसके अलावा अन्यजातियों के साथ परमेश्वर के रिश्ते में कुछ नया है।

अतीत में, भगवान ने राष्ट्रों को अपने अलग रास्ते पर चलने दिया, लेकिन अब नहीं। पॉल ने घोषणा की कि भगवान अब पिछले वर्षों की तुलना में राष्ट्रों के साथ अधिक सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं, अधिनियम 14:16। पिछली पीढ़ियों के दौरान उन्होंने राष्ट्रों को अपने तरीके से चलने की इजाजत दी लेकिन अब ऐसा नहीं है। ईश्वर ने सभी लोगों को अपनी भलाई दिखाते हुए, प्रोविडेंस, बारिश, मौसम और भरपूर भोजन के माध्यम से सामान्य रहस्योद्घाटन दिया।

इस तरह के भाषण में जैसा कि हमने यहां अधिनियम 14 में पाया, सुसमाचार जीवित निर्माता ईश्वर के पास आने और उसके साथ एक आश्रित संबंध में प्रवेश करने का निमंत्रण है। प्रेरितों के काम के अधिकांश भाषणों में सुसमाचार के केंद्र में मसीह का व्यक्ति और कार्य खड़ा है।

अच्छी खबर, सुसमाचार और अब उपदेश देने के कार्य के तहत उपदेश हमारा दूसरा उपशीर्षक है। उपदेश देने वाली संज्ञा ल्यूक के लेखन में दुर्लभ है, केवल ल्यूक 11.32 में। उपदेश देने की क्रिया, केरुसो, अधिक बार आती है। यीशु ने आराधनालय में प्रभु के अनुग्रह के वर्ष के आगमन के बारे में उपदेश दिया। जुबली की पुराने नियम की कल्पना के लिए एक अपील, ल्यूक 4:18 और 19।

प्रेरितों के काम में, मसीह ही वह है जिसका प्रचार किया गया। प्रेरितों के काम 10:42.43 में प्रेरितों के प्रचार का एक महत्वपूर्ण सारांश दिया गया है। गवाहों के रूप में उन्हें यह गवाही देने के लिए नियुक्त किया गया है कि यीशु ही वह है जिसे परमेश्वर ने उद्धृत किया है, जिसे न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है, जिसे परमेश्वर ने जीवितों और मृतकों, यानी सभी लोगों का न्यायाधीश नियुक्त किया है।

यीशु ही न्यायाधीश हैं, यही बात उनके स्वर्गारोहण से प्रमाणित होती है। यह भूमिका आंशिक रूप से यह बताती है कि उन्हें प्रभु क्यों कहा जाता है। वे अंतिम युगांतशास्त्रीय न्यायाधीश हैं, जिनके पास जीवन और मृत्यु पर पूर्ण अधिकार है।

प्रेरितों के काम 10:43 में सभी भविष्यद्वक्ता गवाही देते हैं कि जो कोई उस पर विश्वास करता है, उसे उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलती है। जो कोई इस क्षमा पर विश्वास करता है, उसे यह उद्धार मिलता है। प्रेरितों के काम में ईसाइयों को विश्वास करने वाले लोगों के रूप में वर्णित किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया है।

प्रेरितिक गवाह और पुराने नियम के भविष्यसूचक गवाह दोनों ही यीशु की गवाही देते हैं। शुभ समाचार की घोषणा में सुसमाचार, उपदेश और शिक्षण भी शामिल है, हमारा तीसरा उपशीर्षक। यीशु को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया है जिसकी शिक्षा अपने अधिकार के कारण आश्चर्य लाती है, लूका 4.32। उन्होंने ल्यूक के सुसमाचार में कई प्रमुख प्रवचनों के साथ-साथ कहावतों, दृष्टान्तों, भविष्यसूचक कार्यों के साथ शिक्षा दी।

विषयों में पाप से मुक्ति से लेकर ईश्वर के साथ जीवन, यीशु की वर्तमान सेवकाई से लेकर उनकी वापसी तक शामिल हैं। पिन्तेकुस्त के दिन बचाए गए यहूदियों ने प्रेरितों की शिक्षा का पालन किया, जैसा कि हमने प्रेरितों के काम 2:42 में देखा। एथेंस में, पॉल के पुनरुत्थान के संदेश, अधिनियम 17:19 को एक नई शिक्षा कहा गया था। संज्ञा शिक्षण, डिडाचे की तरह, ल्यूक यीशु और प्रेरितों की शिक्षाओं को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए सिखाने के लिए क्रिया डिडास्को का उपयोग करता है।

यीशु ने सब्त के दिन आराधनालयों में, सार्वजनिक स्थानों पर जैसे कि किनारे पर नाव पर, जैसा कि हमने देखा, कस्बों और गांवों में और मंदिर में शिक्षा दी। लूका को भोजन के समय यीशु की

शिक्षाएँ विशेष रूप से पसंद हैं, 5:29, 7:36, 22:14, 24:30, और बीच में कई आयतें। लूका यह दिखाने के लिए चिंतित है कि शिक्षण ऐसी परिस्थितियों में होता है जहाँ शिक्षक के साथ घनिष्ठता की भावना स्थापित होती है।

अधिनियमों में, शिक्षण पर जोर कभी-कभी शिक्षक यीशु की ओर देखता है, अधिनियम 1:1। प्रेरित लोगों को पुनरुत्थान और यीशु के नाम के बारे में सिखाते हैं, जो अधिकारियों को परेशान करता है, अधिनियम 4:2, 4:18, 5:21, 5:25, और 28:42। पॉल कुरिन्थ, अधिनियम 18:11, इफिसस, 18:25 सहित विभिन्न स्थानों में पढ़ाता है। बाद में वह इफिसियों के बुजुर्गों को अपनी शिक्षा, ईश्वर के प्रति पश्चाताप और प्रभु यीशु में विश्वास, प्रेरितों के काम 20:20 का सारांश प्रदान करता है। प्रेरितों का काम पॉल द्वारा प्रभु यीशु मसीह के बारे में शिक्षा देने के साथ समाप्त होता है, प्रेरितों के काम 28:31। ल्यूक-एक्ट्स में शिक्षण एक व्यापक शब्द है जिसमें सुसमाचार की पेशकश से कहीं अधिक शामिल है, जबकि ल्यूक-एक्ट्स में उपदेश मुक्ति संदेश तक ही सीमित है। मोक्ष का दायरा, हमारा दूसरा प्रमुख सिर।

इसमें यहूदियों और अन्यजातियों के लिए गरीबों, पापियों और बहिष्कृतों से किया गया वादा शामिल है। यहूदियों और अन्यजातियों के लिए वादा. ल्यूक इस बात पर जोर देता है कि यीशु जो प्रदान करता है वह सभी के लिए उपलब्ध है।

यह बिंदु धीरे-धीरे इनफैंसी नैरेटिव के उद्धार के अवलोकन में उभरता है। जकर्याह, जॉन द बैपटिस्ट के पिता, यीशु के बारे में बात करते हैं, जो दाऊद के घर में सींग है, लूका 1:69, एक उगते हुए प्रकाश के रूप में जो उन लोगों पर चमकेगा जो अंधकार और मृत्यु में बैठे हैं, लूका 1:78-79। ऐसी गतिविधि परमेश्वर के वादों को पूरा करती है। परमेश्वर की अच्छी इच्छा रखने वालों को, वह अपने पास बुलाता है, प्रेरितों के काम 2:39। इस प्रावधान का दायरा लूका 2:30-32 में और भी स्पष्ट हो जाता है, जहाँ यीशु को एक ओर अन्यजातियों को रहस्योद्घाटन के लिए दिया गया प्रकाश कहा जाता है, जैसा कि हमने कई बार देखा है, दूसरी ओर इस्राएल की महिमा के लिए।

यह भाषा यशायाह, यशायाह 42:6, 46:13, 49:9 में निहित है। ल्यूक के सुसमाचार का मुख्य भाग इसी बात को दर्शाता है। सभी लोग परमेश्वर का उद्धार देखेंगे, लूका 3.6। यह सार्वभौमिक नोट ल्यूक 24:47 में भी मिलता है, जहां नए समुदाय का संदेश सभी राष्ट्रों के लिए पश्चाताप का उपदेश है। एक्ट्स ने यीशु के शब्दों का हवाला देते हुए इस गैर-यहूदी जोर को जारी रखा कि संदेश पृथ्वी के छोर तक जाना है, एक्ट्स 1:8। हमने कुरनेलियुस के घर में पतरस का भाषण देखा और कैसे परमेश्वर ने इसका उपयोग कुरनेलियुस और उसके परिवार और दोस्तों को सुसमाचार में प्रस्तुत मसीह के माध्यम से परमेश्वर के उद्धारकारी ज्ञान में लाने के लिए किया।

प्रेरितों के काम 28:28, प्रेरितों के काम का अंत, इस तथ्य को भी स्पष्ट करता है कि संदेश अन्यजातियों के लिए है। पॉल कहते हैं, वे इसे स्वीकार करेंगे। यह गैर-यहूदी समावेशन ल्यूक के लिए एक प्रमुख विषय है।

उनका कहना है कि इस्राएल की कहानी में हमेशा राष्ट्रों के आशीर्वाद को शामिल करने की कोशिश की गई है, जिसकी शुरुआत इस्राएल से होती है क्योंकि यह वादा परमेश्वर ने अब्राहम से किया था, प्रेरितों के काम 3:25, 26, और यशायाह से, लूका 2:30-32, प्रेरितों के काम 13:47। कई ग्रंथों में गैर-यहूदियों के लिए सुसमाचार के इस विस्तार को दर्शाया गया है। लूका 7:1-10 में एक गैर-यहूदी सूबेदार का वर्णन किया गया है जिसका विश्वास इस्राएल में पाए जाने वाले किसी भी विश्वास से बढ़कर है, पद 9। सूबेदार का विश्वास वही दर्शाता है जो प्रेरितों के काम में होता है। गैर-यहूदी यीशु का जवाब देते हैं, जबकि कई यहूदी उसे अस्वीकार करते हैं।

यीशु कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी सेवा करते हैं, जैसा कि जॉर्डन नदी के पूर्व में डेकापोलिस क्षेत्र की उनकी यात्रा से पता चलता है। यीशु आने वाले राज्य में भोज की मेज पर भोजन करने के लिए पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से आने वाले लोगों के बारे में बात करते हैं (लूका 13:22-30)। यीशु वर्तमान युग को अन्यजातियों का समय कहने तक चले जाते हैं, लूका 21:24। प्रेरितों के काम में इस बात पर जोर दिया गया है। प्रेरितों के काम 9:15 में शाऊल को अन्यजातियों के सामने यीशु का नाम धारण करने के लिए बुलाए जाने का वर्णन किया गया है।

प्रेरितों के काम 10:11 में दिखाया गया है कि कैसे परमेश्वर पतरस को कुरनेलियुस के पास भेजता है। परमेश्वर ही वह है जो अन्यजातियों को लाता है, जैसा कि हमने देखा है। सुसमाचार की सार्वभौमिकता पर लूका का जोर उन लोगों के खिलाफ एक प्रभावी क्षमाप्रार्थी दावा है जो सोचते हैं कि चर्च में सुसमाचार संदेश बहुत व्यापक, बहुत उदार या बहुत अनुग्रहपूर्ण हो गया है।

इस दायरे में न केवल गैर-यहूदी और यहूदी शामिल हैं, बल्कि हम अभी भी दायरे में हैं; इसका दायरा गरीबों, पापियों और बहिष्कृत लोगों को भी शामिल करता है। लूका के सुसमाचार में गरीबों पर विशेष ध्यान दिया गया है। लूका 1:46-55 में मरियम के भजन में इस विषय को बताया गया है।

यीशु के उपदेश के तीन प्रतिनिधि प्रस्तुतीकरणों में गरीबों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, लूका 4:18, लूका 6:20-23, और लूका 7:22। इन अंशों में, उद्धार विशेष रूप से गरीबों को दिया गया है। लूका में पापियों का भी विशेष उल्लेख किया गया है। यीशु के विरोधी अक्सर शिकायत करते हैं कि यीशु खुद को ऐसे लोगों के लिए उपलब्ध कराते हैं।

ल्यूक 5:27-32, ल्यूक 19 और श्लोक 7 तक और बीच में कई जगह। लूका 15 खोई हुई भेड़, खोए हुए सिक्के, खोए हुए बेटे के दृष्टान्तों के साथ खोए हुए को पुनः प्राप्त करने की ईश्वर की पहल को दर्शाता है, जो यीशु के मंत्रालय की दिशा को प्रेरित करता है। अस्वीकृत लोगों का एक अन्य समूह कर संग्रहकर्ता हैं, जिन्हें उस संस्कृति में सामाजिक बहिष्कृत और गद्दार माना जाता है।

लूका 18:9-14 में जनता की प्रार्थना और जक्कई को मिलने वाले उद्धार, लूका 19:1-10 पर विचार करें। ये अंश दिखाते हैं कि सुसमाचार मानवता की सीमा पर रहने वाले लोगों के दिलों में प्रवेश करता है। चाहे पाप में अमीर हो, कर वसूलने वाला हो, या जीवन में गरीब हो, सुसमाचार

उन लोगों के जीवन को बदल सकता है जो इसका जवाब देते हैं। सुसमाचार का प्रमाणीकरण, तीन स्तर।

संदेश का प्रमाणीकरण, प्रमाणीकरण के तीन स्तर। संदेश के साथ प्रमाणीकरण भी आता है। यीशु किस अधिकार से अपना कार्य करते हैं और अपना सन्देश प्रचारित करते हैं? यीशु प्रमाणित है, एक, धर्मग्रंथों में दिए गए वादों को पूरा करने के माध्यम से; दो, चमत्कारों के माध्यम से, जिन्हें अक्सर संकेत और चमत्कार कहा जाता है; और तीन, पवित्र आत्मा की उपस्थिति के माध्यम से।

एक, ल्यूक में धर्मग्रंथों की पूर्ति के विषय का बार-बार उल्लेख किया गया है। इस विषय का मुख्य अंश ल्यूक 4:18-21 है, जिसमें यीशु सार्वजनिक रूप से अपने मंत्रालय की पुष्टि करने वाले धर्मग्रंथों की घोषणा करते हैं। यशायाह 61:1 और 2 में, यीशु के कार्य और संदेश को चमत्कारों के माध्यम से प्रमाणित किया गया है।

जब जॉन बैपटिस्ट पूछता है कि क्या यीशु आने वाला है, तो यीशु अपने मंत्रालय के चमत्कारों की ओर इशारा करके उत्तर देता है, ल्यूक 7:18-23। यीशु ने नोट किया कि उनके चमत्कारों का मतलब शैतान के लिए पतन है, जिसका पूर्व सुरक्षित निवास खत्म हो गया था। शैतान पर काबू पा लिया गया है, लूका 11:22.

विजय और मुक्ति की तस्वीर के रूप में शैतान पर अधिकार की तस्वीर ल्यूक के सुसमाचार में 9, 1 और 2 सहित कई स्थानों पर दिखाई देती है। प्रारंभिक चर्च में प्रेरितों और अन्य लोगों के माध्यम से समान अधिकार मौजूद है। परमेश्वर ने कई व्यक्तियों, प्रेरित पतरस और यूहन्ना, स्तिफनुस, फिलिप्पुस, और पॉल और बरनबास के माध्यम से चमत्कार किए। तीसरा, सुसमाचार संदेश का तीसरा प्रमाणीकरण ऊपर से शक्ति, यानी पवित्र आत्मा की उपस्थिति है।

लूका 21:18-21. अधिनियम 24:49. अधिनियम 1:8. अधिनियम 2:14-22, अधिनियम 10:38 और अधिनियम 11:15, और 16। मोक्ष का उद्देश्य पहलू, मोक्ष के लिए शब्द, मोक्ष के लिए शब्द।

उद्धारकर्ता, बचाना, मोक्ष के शब्द हैं। ल्यूक 2:11, यीशु वादा किया हुआ उद्धारकर्ता है। बचाने के लिए परमेश्वर द्वारा लोगों को बचाने, उन्हें विपत्ति से बचाने, विशेष रूप से राक्षस से ग्रस्त मनुष्य को बचाने की बात कही गई है, लूका 8:36।

याइर की बेटी, 8:50। सामरी कोढ़ी, 17:19. अंधा भिखारी, 18:42.

ये चमत्कार ईश्वर की शक्ति और अधिकार के ऑडियो विजुअल हैं। वह पापी स्त्री जो यीशु के पैरों का अभिषेक करती है, उसके कार्य में प्रतिबिंबित मनोवृत्ति के कारण बच जाती है। लूका 7:50.

सोज़ो शब्द का उपयोग अधिनियम 27, 20 और 31 में होता है, लेकिन इस शब्द के अधिकांश उपयोग सारांश विवरण हैं जो उपचार या उपदेश के कार्यों के साथ होते हैं। अधिनियम 2:47. अधिनियम 4:12.

प्रेरितों के काम 11:14, और यह चलता ही रहता है। पतरस समझाता है कि यह प्रभु जिसे कोई पुकारता है, वह यीशु है, प्रेरितों 2:36। वह क्षमा प्रदान करके, क्रोध से बचाकर और पवित्र आत्मा देकर बचाता है, अधिनियम 2, 38-40।

एक और महत्वपूर्ण सारांश प्रेरितों के काम 16, 30 और 31 में मिलता है। फिलिप्पी के जेलर से पौलुस कहता है, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो, तुम और तुम्हारा घराना उद्धार पाएगा, प्रेरितों के काम 16:31। उद्धार के लिए संज्ञाओं, सोटेरियन, सोटेरिया का अर्थ क्रिया सोज़ो, बचाने के अर्थ से थोड़ा अलग है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि मोक्ष लूका में एक मुख्य अवधारणा है। मोक्ष यीशु में केन्द्रित है। इसमें आध्यात्मिक गुण हैं, लेकिन अंततः यह पृथ्वी पर मानव संरचनाओं को प्रभावित करेगा क्योंकि यह लोगों के जीने के तरीके को बदल देता है, लूका 1:68-79।

यह सभी जातियों को दिया जाता है, प्रेरितों के काम अध्याय 10 और 11. केवल वे ही इसे प्राप्त कर सकते हैं जो यीशु के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। यह प्रेरितिक संदेश के केंद्र में है, और इसमें अनंत जीवन निहित है।

उद्धार का व्यक्तिपरक पक्ष, पश्चाताप, मुड़ना और विश्वास। उद्धार का व्यक्तिपरक पहलू उद्धार के व्यक्तिगत विनियोग को संदर्भित करता है। लूका इस मौलिक प्रतिक्रिया को व्यक्त करने के लिए एक अवधारणा का उपयोग करता है।

लूका संदेश के प्रति सच्ची प्रतिक्रिया के बहुआयामी चरित्र को दिखाना चाहता है, जिसमें प्रत्येक शब्द उस प्रतिक्रिया के भीतर एक घटक को उजागर करता है। जैसा कि हमने कहा है, तीन शब्द पश्चाताप, मुड़ना और विश्वास हैं। लूका के लिए एक प्रमुख अवधारणा पश्चाताप है, चाहे संज्ञा पश्चाताप, मेटानोइया, या पश्चाताप करने की क्रिया, मेटानोइयो द्वारा व्यक्त किया गया हो।

ल्यूक पश्चाताप के धर्मशास्त्री हैं क्योंकि उनके द्वारा प्रयुक्त संज्ञा के 11 प्रयोग नए नियम में प्रयुक्त आधे से अधिक हैं। पश्चाताप एक पुनर्संरचना है, पश्चाताप करने से पहले व्यक्ति जहां था, वहां से दृष्टिकोण का पूर्ण परिवर्तन। जॉन बैपटिस्ट ने पापों की क्षमा के लिए पश्चाताप के बपतिस्मा का प्रचार किया, ल्यूक 3 : 3। पश्चाताप को चित्रित करने वाला एक केंद्रीय अंश ल्यूक 5, 30-32 है।

यहाँ यीशु ने अपने मिशन का वर्णन बीमार पापियों को पश्चाताप के लिए बुलाने के रूप में किया है। पश्चाताप आध्यात्मिक उपचार के लिए यीशु की ओर मुड़ना है। यीशु ने अपने शिष्यों को उनके भविष्य के संदेश के बारे में महान आदेश देते समय पश्चाताप शब्द का इस्तेमाल किया है, प्रेरितों के काम 24:47।

प्रेरितों के काम की पुस्तक इस बात को पुष्ट करती है। यीशु के द्वारा यहूदियों और यूनानियों को पश्चाताप की पेशकश की गई है, प्रेरितों के काम 20:21। प्रेरितों के काम 26:20 एक महत्वपूर्ण आयत है जो बताती है कि पौलुस ने प्रचार करते समय क्या माँगा था।

उसने यहूदियों और गैर-यहूदियों दोनों से यही कहा कि वे पश्चात्ताप करें और यीशु की ओर मुड़ें। इन प्रतिक्रियाओं को यीशु की ओर निर्देशित विश्वास भी कहा जा सकता है। प्रेरितों के काम में, पश्चात्ताप करने की क्रिया का उपयोग सारांश आह्वान में किया जाता है जो किसी को क्षमा में प्रवेश करने के लिए आमंत्रित करता है।

लूका में उद्धार के प्रति प्रतिक्रिया से संबंधित एक और महत्वपूर्ण शब्द है मुड़ना। जॉन बैपटिस्ट की सेवकाई का उद्देश्य इस्राएल को परमेश्वर की ओर मोड़ना था, लूका 1, 17। मुड़ना अलगाव को उलटना है क्योंकि व्यक्ति पहचानता है और स्वीकार करता है कि उसने गलत किया है।

इस अर्थ में, यह पश्चात्ताप के समान है, लेकिन यह अधिक स्पष्ट शब्द है क्योंकि यह दिशा के उलटफेर को दर्शाता है। शब्द का प्रयोग प्रेरितों के काम में किया गया है। नया नियम यीशु के संदेश का उचित तरीके से जवाब देने के लिए विभिन्न शब्दों का उपयोग करता है।

क्षमा परिणाम है, प्रेरितों के काम 3:19। परमेश्वर की ओर मुड़ने के बारे में सबसे महत्वपूर्ण अंश प्रेरितों के काम 26:18-20 है। पौलुस ने प्रभु के आह्वान के बारे में बताया कि वह अन्यजातियों को शैतान से परमेश्वर की ओर मोड़े।

यह परिच्छेद इस मायने में महत्वपूर्ण है कि अब तक उल्लिखित सभी शब्द यहां एक साथ दिखाई देते हैं। ल्यूक के लिए पश्चात्ताप का अर्थ उत्तरदाता के जीवन में स्वयं को ठोस और स्पष्ट रूप से व्यक्त करना है। आस्था।

पश्चात्ताप, मोड़, विश्वास। यह आस्था, पिस्टिस और विश्वास, पिस्टियो द्वारा व्यक्त किया जाता है। सभी घटनाएँ ऐसी चीज़ों को प्रदान करने के लिए दूसरे पर निर्भरता का सुझाव देती हैं जो कोई अपने लिए प्रदान नहीं कर सकता।

जैसा कि यीशु ने भविष्यवाणी की थी, पतरस का विश्वास विफल हो गया, लूका 22:32। अधिनियमों में विश्वास संज्ञा का उपयोग समान है। कभी-कभी, ईसाई आंदोलन को वास्तव में आस्था कहा जाता था, अधिनियम 6:7, अधिनियम 16:5। आस्था का उद्देश्य मसीह है, अधिनियम 20:21, और 24:24।

ल्यूक के सुसमाचार में, विश्वास करने की क्रिया बल में समान है। प्रेरितों के काम में विश्वास करने के लिए क्रिया पिस्तेओ के अधिकांश उपयोग, लोगों की विश्वास की प्रतिक्रिया का सारांश हैं, प्रेरितों के काम 2:44, प्रेरितों के काम 4:32, और इसी तरह। विश्वास प्रेरितों के काम 13:39 को सही ठहराता है, लेकिन जो लोग विश्वास नहीं करते वे नाश हो जाएंगे, श्लोक 41।

वे सभी लोग जिन्हें परमेश्वर ने अनन्त जीवन के लिए नियुक्त किया है, विश्वास करते हैं, प्रेरितों के काम 13:48। विश्वास परमेश्वर की कृपा से आता है, 15:11, 18:27। अंत में, उद्धार के लाभ।

लूका, प्रेरितों के काम में उद्धार के आयाम। शुभ समाचार की घोषणा, उद्धार का दायरा, संदेश की प्रामाणिकता, उद्धार के वस्तुनिष्ठ और व्यक्तिपरक पक्ष, तथा उद्धार के लाभ। पापों की क्षमा, लूका 3, 3. लूका 4, 18, यीशु की सेवकाई।

जीवन। उद्धार का दूसरा मुख्य लाभ जीवन है। जीवन किसी की संपत्ति में नहीं है, लूका 12:15।

अधिनियमों में, जीवन को पुनरुत्थान के परिणाम के रूप में देखा जाता है, अधिनियम 2:27 से 28। यीशु जो प्रदान करता है वह उसे जीवन का लेखक कहलाने की अनुमति देता है, अधिनियम 3:15। जब यहूदी अधिनियम 13 में संदेश का जवाब देने में विफल रहते हैं, तो पॉल कहता है कि वे स्वयं को अनन्त जीवन के योग्य नहीं मानते हैं, अधिनियम 13:46।

उपहार। कई बार ल्यूक उपहार, उपहार का उल्लेख करता है, जिसके द्वारा उसका मुख्य रूप से मतलब है कि पवित्र आत्मा क्या आपूर्ति करता है, अधिनियम 2:38, 8:20, 10:45, 11:17। शांति।

मोक्ष का दूसरा लाभ शांति है। अर्थात्, यीशु ईश्वर और मानवता के बीच एक सामंजस्यपूर्ण संबंध को संभव बनाता है। यीशु, उद्धारकर्ता, मसीह और प्रभु के रूप में उन लोगों के लिए शांति लाता है जिन पर उसका अनुग्रह है, ल्यूक 2:14।

पतरस का कहना है कि उसका संदेश यीशु मसीह के माध्यम से शांति का शुभ समाचार था, प्रेरितों के काम 10:36। अनुग्रह या उपकार, ज़ारिस, एक और मोक्ष लाभ है। ईश्वर के साथ विश्वास या अनुग्रह पाने की धारणा एक यहूदीवाद है।

उत्पत्ति 6:8, न्यायियों 6:17, 1 शमूएल 1:18। लूका के लेखन में, यह ईश्वरीय कार्य की अभिव्यक्ति है। अनुग्रह का अर्थ है ईश्वर द्वारा किसी ऐसे व्यक्ति को अनुग्रहपूर्वक चुनना जिसके माध्यम से ईश्वर कुछ विशेष कार्य करता है।

प्रेरितों के काम में, परमेश्वर का अनुग्रह लोगों और समुदायों पर टिका हुआ है। प्रेरितों के काम 4:33, अनुग्रह सभी विश्वासियों पर टिका हुआ है। प्रेरितों के काम में अनुग्रह का सबसे आम उपयोग उद्धार या उसके संदेश का वर्णन है।

प्रेरितों के काम 11:23, 13:43, 14:3, 15:11, 20:24, और 32. औचित्य सिद्ध करें। एक पाठ है जहाँ औचित्य सिद्ध शब्द गैर-तकनीकी अर्थ में प्रकट होता है, लेकिन यह दर्शाता है कि लूका इस शब्द के एक प्रमुख घटक का उपयोग कैसे करता है।

लूका 18 के दृश्य में, यीशु ने देखा कि कर संग्रहकर्ता अपनी प्रार्थना छोड़कर चला जाता है। जब वह ऐसा करता है, तो वह, फरीसी और कर संग्रहकर्ता दोनों ही न्यायसंगत ठहरते हैं। यह प्रशंसा फरीसी के घमंडी होने के विपरीत कर संग्रहकर्ता की विनम्रता के लिए है।

फरीसी अपने सभी कार्यों के लिए ईश्वर को धन्यवाद देकर स्तुति स्तोत्र को विकृत कर देता है। भगवान एक कर संग्रहकर्ता की विनम्रता की सराहना करते हैं क्योंकि वह बिना किसी अधिकार की भावना के भगवान की दया की आवश्यकता को महसूस करता है। इस प्रकार, भगवान की दया की अपील और पश्चाताप में बदल जाना उचित है क्योंकि कोई व्यक्ति केवल दया चाहता है और समझता है कि कोई अधिकार नहीं है।

मोक्ष निष्कर्ष. मुक्ति वस्तुतः ल्यूक-एक्ट्स के हर पृष्ठ पर है। परमेश्वर अपना वादा पूरा करने, यीशु के माध्यम से काम करने, आत्मा लाने और पापों को क्षमा करने पर काम कर रहा है।

मुक्ति का अर्थ है ईश्वर के साथ खोए हुए रिश्ते को फिर से स्थापित करना और उसके साथ शांति पाना। पश्चात्ताप करने, यीशु की ओर मुड़ने या उस पर विश्वास करने से व्यक्ति को क्षमा, आत्मा और जीवन का लाभ मिलता है। विश्वास के माध्यम से अनुग्रह की उपस्थिति एक परिवर्तित जीवन की ओर ले जाती है।

तो अब आह्वान यह है कि ईश्वर से पूरी तरह प्रेम करें और ईश्वर के स्वयं के कार्य के प्रतिबिंब के रूप में अपने पड़ोसी से प्रेम करें। मोक्ष से जुड़ी कृपा के प्रति कृतज्ञता में, व्यक्ति गहराई से प्रेम करेगा। तो, हम अब देखने के लिए मुड़ते हैं, इसलिए अब हम ल्यूक के सुसमाचार और अधिनियमों की पुस्तक के उपहारों के लिए भगवान को धन्यवाद देने के लिए मुड़ते हैं।

पिता, मसीह यीशु में हमें दिए गए आपके अनुग्रह के लिए धन्यवाद। हमारे हृदय में अपनी आत्मा भेजने के लिए धन्यवाद। हमें आशीर्वाद दें, हम प्रार्थना करते हैं। हम ल्यूक के सुसमाचार और अधिनियमों की पुस्तक के संदेश के लिए आपको धन्यवाद देते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें और हमारे परिवारों को आशीर्वाद दें। तथास्तु।

यह ल्यूक-एक्ट्स के धर्मशास्त्र पर अपने शिक्षण में डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन हैं। यह सत्र संख्या 20 है, डैरेल बॉक, ल्यूक-एक्ट्स में मुक्ति के आयाम।